Neglect of Historical Monuments

†**श्री ओबैदुल्लाह खान आज़मी** (मध्य प्रदेश): सदरे मोहतरम, मैं आपके ज़रिए इस हाऊस की तवज्जोह तारीखी इमारतों और यादगारों की देखरेख और हिफाजत में महकमा आसारे कदीमा, म्युनिसपल कारपोरेशन और दीगर मुतालिका महकमों की गफलत की तरफ दिलाना चाहता हूँ ।

सदर साहब, यह हमारी तारीखी इमारतें और यादगारें हमारे मुल्क की ही नहीं बल्कि दुनिया की अज़ीम विरासतों में शामिल हैं, लेकिन आए दिन हमें इन यादगारों की खस्ता हाली के बारे में ख़बरें मिलती हैं । हद यह है कि जो तारीखी यादगारें महकमा आसारे कदीमा की तहफ्फुज याफ्ता इमारतों की लिस्ट में हैं वे भी गफलत का शिकार हैं, जिसके नतीजे में वे लोगों के नाजायज़ कब्ज़े और नाजायज़ तामीरात का निशाना बनी हुई हैं । कानून के मुताबिक तारीखी यादगारों के सौ मीटर के दायरे में कोई तामीर नहीं की जा सकती और दो सौ मीटर के दायरे में कोई तामीर मुतालिक़ा महकमे की इजाज़त के बगैर नहीं की जा सकती, लेकिन होता यह है कि इन इमारतों के अहाते में ही लोग बेधड़क नाजायज़ तामीरात खड़ी कर रहे हैं या इन इमारतों को कूड़ेदान के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन आसारे क़दीमा, दिल्ली म्युनिसपल कारपोरेशन, दिल्ली पुलिस और दूसरे मुतालिका महकमे के लोग हाथ पर हाथ रखे खामोश तमाशाई बने बैठे हैं । आम तौर पर इनकी बिल्डरों या नाजायज़ कब्जा और नाजायज़ तामीर करने वालों के साथ मिलीभगत होती है । दिल्ली में कोटला मुबारकपुर में मुबारकशाह का मक़बरा और मोहम्मदपुर गांव में तीन बुर्जी की यादगारें इसकी चंद मिसाले हैं ।

चुनांचे मैं मुतालबा करता हूँ कि पूरे मुल्क में और खासतौर से दिल्ली में जितनी भी तहफ्फुज याफ्ता इमारते हैं या जो हमारी विरासत का हिस्सा हैं, उनमें से नाजायज़ कब्ज़ा हटाने और नाजायज़ तामीरात गिराने की कार्यवाही फौरन की जाए, उनकी देखरेख का मुनासिब इंतजाम किया जाए और यहां सय्याहों के लिए सहूलियात पैदा की जाएं । शुक्रिया ।

SHRI K. RAHMAN KHAN (Karnataka): Sir, I associate myself with it.

श्री बाल कवि बैरागी (मध्य प्रदेश) : सभापति जी, मैं इससे अपने को संबद्ध करता हूँ।

Allocation of Indus Water to Gujarat

SHRI LALITBHAI MEHTA (Gujarat): Sir, my Special Mention is regarding the allocation of Indus Water to Gujarat.

Sir, the Indus basin Map and National Commission for integrated water resources of Government of India Map of 1999 show Kachchha region of Gujarat in Indus Basin.

According to the international water agreement, waters of the eastern rivers of Indus basin are allocated to India as per "Indus Water Treaty".

† Transliteration of the speech in Persian Script is available in the Hindi version of the debate.